MOLECULAR
DIAGNOSTICS AND THERAPY
...where technology meets patient care

समाचार पत्रिका

सितंबर 2026

"सटीक निदान, विश्वसनीय परिणाम, बेहतर स्वास्थ्य परिणाम"

डॉ. निकुंज जैन

सह-संस्थापक एवं विभागाध्यक्ष – न्यूक्लियर मेडिसिन

मौसम बदलने के साथ हमारे स्वास्थ्य और शरीर पर भी इसका असर पड़ता है। मानसून से शरद ऋतु में बदलाव के दौरान मौसम में होने वाले बदलाव से सांस से जुड़ी समस्याएं, संक्रमण, एलर्जी और सांस लेने में परेशानी जैसी अन्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए इस दौरान अपने स्वास्थ्य के लिए समय निकालना और नियमित जांच को नजरअंदाज न करना जरूरी है।

अपने स्वास्थ्य और सेहत का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। इसके लिए बीमारी से बचाव और समय रहते बीमारी का पता लगाना जरूरी है। कई बार किसी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण दिखाई नहीं देते, लेकिन नियमित स्वास्थ्य जांच से शरीर के जरूरी स्वास्थ्य मानकों पर नजर रखने और किसी संभावित समस्या का शुरुआती चरण में पता लगाने में मदद मिल सकती है। आपकी उम्र, पिछली स्वास्थ्य जानकारी, लक्षणों और जोखिमों के आधार पर डॉक्टर कुछ जांच की सलाह दे सकते हैं, ताकि आपको समय पर सही चिकित्सा सहायता मिल सके।

इस सितंबर में, जब हम नए मौसम में प्रवेश कर रहे हैं, हम उम्मीद करते हैं कि आप अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देंगे। जरूरत के अनुसार सामान्य रक्त जांच, रक्त शर्करा की जांच, थायरॉयड की जांच, यकृत और गुर्दों की कार्यक्षमता की जांच और विटामिन की जांच की सलाह दी जा सकती है। अगर आपको बार-बार संक्रमण हो रहा है या लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी या बिना किसी स्पष्ट कारण के थकान जैसे असामान्य लक्षण हो रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी में हम आधुनिक जांच सुविधाओं, बीमारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य जांच, समय पर बीमारी का पता लगाने और मरीजों की अच्छी देखभाल के माध्यम से आपकी स्वास्थ्य यात्रा में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जागरूक रहें। बचाव को प्राथमिकता दें। बेहतर स्वास्थ्य के साथ नए मौसम में कदम रखें।

मानसून से शरद ऋतु तक: स्वस्थ मौसम के लिए जरूरी स्वास्थ्य जांच

मानसून का मौसम धीरे-धीरे खत्म होने के दौरान तापमान, नमी और मौसम में होने वाले बदलाव हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। एक मौसम से दूसरे मौसम में बदलाव के कारण सांस से जुड़ी समस्याएं, एलर्जी, संक्रमण, पाचन संबंधी परेशानी और ऊर्जा या मनोदशा में बदलाव हो सकते हैं। इस मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए रोजमर्रा की अच्छी आदतें अपनाना जरूरी है, ताकि मौसम बदलने के दौरान आप स्वस्थ रह सकें।

कुछ स्वास्थ्य समस्याएं धीरे-धीरे विकसित होती हैं या शुरुआत में उनके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर डॉक्टर से सलाह लेने से किसी संभावित समस्या का पता लगाने और उसकी सही जांच करने में मदद मिलती है। आपकी उम्र, पिछली स्वास्थ्य जानकारी, लक्षणों और जटिलताओं के जोखिम के आधार पर डॉक्टर रक्त जांच, एक्स-रे या अन्य इमेजिंग जांच की सलाह दे सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवा अब ऐसे दौर की ओर बढ़ रही है, जहां बीमारी से बचाव और समय पर बीमारी का पता लगाना लंबे समय तक अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी में हमारा मानना है कि इन दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। चिकित्सक की सलाह से की जाने वाली जांच और इमेजिंग से मिलने वाली जानकारी आपको समय पर स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में मदद करती है और आपकी सेहत की बेहतर जानकारी देती है।

मौसम बदलने के दौरान स्वास्थ्य जांच क्यों जरूरी है?

मौसम का मानव शरीर पर कई तरह से असर पड़ता है। नियमित स्वास्थ्य जांच से शरीर के जरूरी स्वास्थ्य मानकों पर नजर रखने और ऐसे बदलावों का पता लगाने में मदद मिलती है, जिनकी आगे जांच

की जरूरत हो सकती है। स्वास्थ्य जांच सभी लोगों के लिए एक जैसी नहीं होनी चाहिए। आपकी उम्र, पिछली स्वास्थ्य जानकारी, जीवनशैली, परिवार में किसी बीमारी का इतिहास, लक्षणों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के आधार पर डॉक्टर कुछ जरूरी जांच की सलाह देते हैं।

मानसून से शरद ऋतु के बदलाव के दौरान होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याएं

सांस से जुड़ी समस्याएं

तापमान में बदलाव और एलर्जी पैदा करने वाली चीजों के ज्यादा संपर्क में आने से कुछ लोगों में सांस से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। अगर खांसी, नाक बंद होना, सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आना, सांस लेने में परेशानी या गले में लगातार जलन जैसे लक्षण ठीक न हों या बढ़ जाएं, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जांच और लक्षणों के आधार पर डॉक्टर कारण का पता लगाने के लिए जरूरी प्रयोगशाला जांच या इमेजिंग जांच की सलाह दे सकते हैं।

मौसमी संक्रमण

मानसून और मानसून के बाद कई तरह के संक्रमण हो सकते हैं। अगर बुखार, कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, खांसी या कोई अन्य असामान्य लक्षण भी हों और उनमें सुधार न हो, तो चिकित्सकीय जांच जरूरी है। डॉक्टर लक्षणों और संभावित बीमारी के आधार पर रक्त जांच और अन्य जांच की सलाह दे सकते हैं।

पाचन संबंधी स्वास्थ्य

मानसून के दौरान खान-पान और पानी के सेवन में बदलाव से पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। अगर पेट में दर्द, दस्त, उल्टी या लगातार पेट में परेशानी हो रही है, तो डॉक्टर से सलाह लें। समय पर जांच कराने से यह पता लगाने में मदद मिलती है कि आगे किसी अन्य जांच की जरूरत है या नहीं।

रक्त शर्करा और चयापचय स्वास्थ्य

जीवनशैली, खान-पान और शारीरिक गतिविधियों में बदलाव चयापचय स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। मधुमेह से पीड़ित लोगों और उन लोगों को जिन्हें रक्त शर्करा से जुड़ी समस्या होने का खतरा है, अपनी नियमित जांच करवाते रहना चाहिए। रक्त शर्करा और एचबीए1सी जैसी जांच से रक्त में शर्करा के स्तर और लंबे समय से उसके नियंत्रण की स्थिति का पता लगाने में मदद मिलती है।

विटामिन और पोषण संबंधी स्वास्थ्य

कई बार खान-पान और रोजमर्रा की दिनचर्या में बदलाव न कर पाने के कारण पोषण संबंधी सेवन में बदलाव हो सकता है। थकान, कमजोरी या बिना किसी स्पष्ट कारण के होने वाले अन्य लक्षणों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर विटामिन और पोषक तत्वों के स्तर की जांच कराने की सलाह दे सकते हैं।

सामान्य स्वास्थ्य

मौसम बदलने के दौरान पूरे स्वास्थ्य की जांच करवाना भी एक अच्छी याद दिलाने वाली बात है। संतुलित आहार, व्यायाम, पर्याप्त आराम, तनाव को नियंत्रित रखना और डॉक्टर की सलाह के अनुसार स्वास्थ्य जांच करवाना अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं।

MOLECULAR
DIAGNOSTICS AND THERAPY
...where technology meets patient care

जरूरी स्वास्थ्य जांच

हर व्यक्ति के लिए जांचों का एक ही समूह जरूरी नहीं होता। जरूरी स्वास्थ्य जांच व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य, पिछली स्वास्थ्य जानकारी और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों पर निर्भर करती है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार सामान्य जांचों में शामिल हो सकती हैं:

- संपूर्ण रक्त जांच
- रक्त शर्करा और एचबीए1सी
- यकृत की कार्यक्षमता की जांच
- गुर्दों की कार्यक्षमता की जांच
- थायरॉयड की कार्यक्षमता की जांच
- विटामिन और पोषण संबंधी जांच
- लिपिड प्रोफाइल
- मूत्र जांच
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार अन्य प्रयोगशाला जांच

अगर लक्षण या पिछली स्वास्थ्य जानकारी के आधार पर आगे की जांच जरूरी हो, तो इमेजिंग जांच भी कराई जा सकती है। जरूरत के अनुसार इनमें एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, कंप्यूटेड टोमोग्राफी, मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग या अन्य विशेष इमेजिंग जांच शामिल हो सकती हैं।

मौसम बदलने के दौरान स्वस्थ कैसे रहें?

कुछ आसान और नियमित आदतें मौसम बदलने के दौरान आपकी सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकती हैं।

- संतुलित आहार लें, जिसमें पर्याप्त फल, सब्जियां और जरूरी पोषक तत्व शामिल हों।
- पूरे दिन पर्याप्त और साफ पानी पिएं।
- अपनी उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार शारीरिक रूप से सक्रिय रहें।
- पर्याप्त और नियमित नींद लें।

- व्यक्तिगत और हाथों की साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- साफ-सफाई का ध्यान न रखने वाली जगहों से खाना या पानी लेने से बचें।
- तनाव को नियंत्रित रखें और पर्याप्त आराम के लिए समय निकालें।
- अगर आपको पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो नियमित रूप से उसकी निगरानी करते रहें।
- लगातार बने रहने वाले या असामान्य लक्षणों को नजरअंदाज न करें।
- नियमित जांच और परीक्षणों के बारे में डॉक्टर की सलाह का पालन करें।

डॉक्टर से कब सलाह लेनी चाहिए?

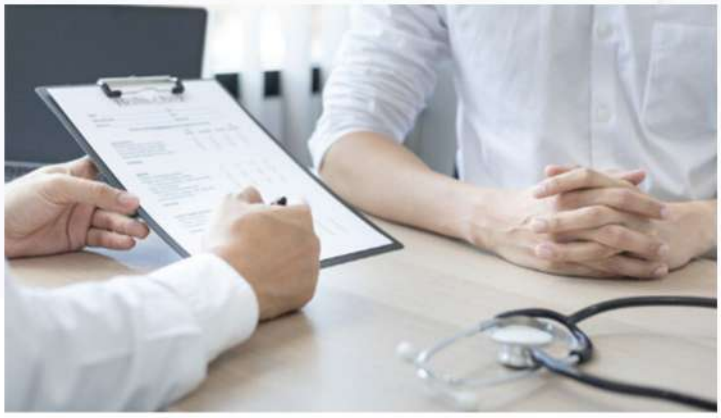

मौसम से जुड़ी कई समस्याएं हल्की और कुछ समय के लिए हो सकती हैं। लेकिन अगर कोई लक्षण लगातार बना रहे , गंभीर हों या सामान्य से अलग हों, तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर आपको इनमें से कोई समस्या हो, तो डॉक्टर से सलाह लें:

- लगातार या बढ़ता हुआ बुखार।
- सांस लेने में परेशानी या लगातार सांस फूलना।
- लगातार बनी रहने वाली या बढ़ती हुई खांसी।
- बिना किसी स्पष्ट कारण के लगातार थकान।
- बार-बार उल्टी या दस्त।
- लगातार पेट में दर्द या पाचन संबंधी परेशानी।
- वजन में बहुत अधिक या बिना किसी स्पष्ट कारण के बदलाव।
- लगातार कमजोरी या चक्कर आना।
- कोई अन्य असामान्य लक्षण जो ठीक नहीं हो रहा हो।

डॉक्टर आपके लक्षणों की जांच करके यह तय कर सकते हैं कि आगे किसी जांच, प्रयोगशाला जांच या इमेजिंग जांच की जरूरत है या नहीं।

MOLECULAR DIAGNOSTICS AND THERAPY
...where technology meets patient care

समय पर बीमारी का पता लगाना क्यों जरूरी है?

किसी बीमारी का समय पर पता लगाना मरीज की देखभाल में बहुत महत्वपूर्ण होता है। कई स्वास्थ्य समस्याओं के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते। इसलिए जिन लोगों में किसी बीमारी का खतरा मौजूद है, उनके लिए सही समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना जरूरी है।

प्रयोगशाला जांच और इमेजिंग जांच से डॉक्टर को मरीज की स्थिति और उपचार से जुड़े जरूरी तथ्यों को समझने में मदद मिलती है। जांच व्यक्ति की जरूरत के अनुसार अलग-अलग हो सकती है और इसमें रक्त जांच, मूत्र जांच, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, सीटी, एमआरआई या अन्य विशेष जांच शामिल हो सकती हैं।

मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच के लिए आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराता है। कौन-सी जांच सबसे उपयुक्त होगी, यह हमेशा लक्षणों, पिछली स्वास्थ्य जानकारी और डॉक्टर की सलाह पर निर्भर करता है।

बेहतर स्वास्थ्य के साथ शरद ऋतु में कदम रखें

मानसून से शरद ऋतु में बदलाव अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने और बीमारी से बचाव पर ध्यान केंद्रित करने का अच्छा समय है। स्वस्थ जीवनशैली, शरीर में होने वाले बदलावों के प्रति जागरूकता, समय पर डॉक्टर से सलाह और जरूरी स्वास्थ्य जांच लंबे समय तक बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी में हम बीमारी से बचाव, बेहतर जांच सुविधाओं, समय पर बीमारी का पता लगाने और मरीज पर केंद्रित देखभाल के माध्यम से आपका सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वस्थ रहें। जागरूक रहें। सशक्त रहें।

हमारी तकनीक – सितंबर

मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी में हम बीमारी से बचाव और समय पर बीमारी का पता लगाने में मदद के लिए आधुनिक जांच तकनीक और कई तरह की स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग करते हैं।

डिजिटल पी.ई.टी.-सी.टी.

हमारा जीई डिस्कवरी आईक्यू डिजिटल पीईटी-सीटी शरीर में होने वाले बदलावों की विस्तृत जानकारी देने के लिए कार्यात्मक और शारीरिक तस्वीरों को एक साथ जोड़ता है। कुछ कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच और उपचार की योजना के लिए पीईटी-सीटी की सलाह दी जा सकती है।

सी.टी. स्कैन (कम्प्यूटेड टोमोग्राफी)

हमारा शंघाई यूनाइटेड इमेजिंग यूसीटी 520 सीटी स्कैनर शरीर के अलग-अलग हिस्सों की विस्तृत क्रॉस-सेक्शन तस्वीरें प्रदान करता है। किसी विशेष लक्षण या स्वास्थ्य समस्या की अधिक विस्तृत जांच की जरूरत होने पर डॉक्टर सीटी की सलाह दे सकते हैं।

एम.आर.आई.

हमारा सीमेंस मैग्नेटोम सेम्प्रा 1.5 टी एमआरआई बिना आयनकारी विकिरण के मस्तिष्क, रीढ़, जोड़ों, मांसपेशियों और शरीर के अंदरूनी अंगों की विस्तृत तस्वीरें प्रदान करता है।

अल्ट्रासोनोग्राफी सेवाएँ

हमारे माइंड्रे रेसोना 19, डीसी 60 एक्स-इनसाइट और डीसी 80 एक्स-इनसाइट अल्ट्रासाउंड सिस्टम कई तरह की जांचों के लिए शरीर के अंदर की वास्तविक समय की तस्वीरें प्रदान करते हैं। विशेष लक्षणों की जांच और अलग-अलग अंगों तथा ऊतकों की निगरानी के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड की सलाह दे सकते हैं।

डिजिटल एक्स-रे

हमारे पास Medion MI 400 HF डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम है, जो हड्डियों और जोड़ों, छाती और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की जांच के लिए अच्छी गुणवत्ता की तस्वीरें देता है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार एक्स-रे से हड्डियों की सेहत की जांच करने या हड्डियों से जुड़ी कुछ असामान्यताओं का पता लगाने में भी मदद मिल सकती है।

मैमोग्राफी

हमारा Xtrocis XTROMAM 2000-HF डिजिटल मैमोग्राफी सिस्टम स्तनों की खास जांच की सुविधा देता है। महिला की उम्र, स्तनों से जुड़े लक्षण और व्यक्तिगत स्वास्थ्य जोखिम के अनुसार, डॉक्टर नियमित जांच, स्तनों के लक्षणों की जांच या स्तनों से जुड़ी किसी खास समस्या की जांच के लिए मैमोग्राफी की सलाह दे सकते हैं।

पैथोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाएं

हमारी प्रयोगशाला नियमित स्वास्थ्य निगरानी और अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं की जांच के लिए कई तरह की जांच सुविधाएं प्रदान करती है।

कार्डियोलॉजी डायग्नोस्टिक्स

हृदय का स्वास्थ्य पूरे स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम ईसीजी, 2डी इको, स्ट्रेस टेस्ट और होल्टर मॉनिटरिंग जैसी हृदय संबंधी जांच सुविधाएं प्रदान करते हैं। लक्षणों, पिछली स्वास्थ्य जानकारी और चिकित्सकीय जरूरत के आधार पर डॉक्टर अन्य जांचों की भी सलाह दे सकते हैं।

गामा कैमरा और न्यूक्लियर मेडिसिन

हमारा सीमेंस हेल्थिनियर्स ई. सिंगल हेड कैम गामा कैमरा सिस्टम स्पेक्ट के लिए उपयोग किया जाता है। यह शरीर के अंगों की कार्यक्षमता की तस्वीरें लेने और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच में मदद करता है। चिकित्सकीय जरूरत के अनुसार हमारी नाभिकीय चिकित्सा सेवाओं में बोन स्कैन, डीटीपीए रीनल स्कैन, डीएमएसए रीनल स्कैन, थायरॉयड स्कैन और मुगा जांच शामिल हैं।

आधुनिक जांच के माध्यम से महिलाओं की सेहत को सहयोग

मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी में हमारी जांच सेवाओं में आधुनिक इमेजिंग, प्रयोगशाला जांच, हृदय संबंधी जांच और नाभिकीय चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं। ये सुविधाएं डॉक्टरों को लक्षणों की जांच करने, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की निगरानी करने, शुरुआती स्तर पर किसी समस्या का पता लगाने और जरूरत पड़ने पर आगे की चिकित्सा देखभाल की योजना बनाने में मदद कर सकती हैं।

मानसून से शरद ऋतु में मौसम के बदलाव के दौरान अपनी सेहत पर ध्यान देना और डॉक्टर की सलाह के अनुसार जांच करवाना आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक रहने में मदद कर सकता है।

MOLECULAR
DIAGNOSTICS AND THERAPY
...where technology meets patient care

अगस्त माह के रोगियों के अनुभव

"श्री प्रशांत" – PET-CT स्कैन – PET-CT Scan ★★★★★

"शुरुआत में मैं पीईटी-सीटी स्कैन करवाने को लेकर थोड़ी घबराई हुई थी, लेकिन मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी की टीम ने मेरा अनुभव काफी आसान बना दिया। स्टाफ ने मुझे धैर्य से समझाया कि स्कैन से पहले और स्कैन के दौरान मुझे क्या करना है और पूरी प्रक्रिया के दौरान मेरा ध्यान रखा। उनके भरोसा देने वाले व्यवहार से मुझे शांत और सहज महसूस हुआ। मेरे यहां आने के दौरान मिली अच्छी देखभाल के लिए मैं आभारी हूं।"

"श्रीमती तसवीरन जहाँ" – PET-CT Scan ★★★★★

"मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी में पीईटी-सीटी की पूरी प्रक्रिया शुरुआत से अंत तक अच्छी तरह व्यवस्थित थी। मुझे तैयारी और स्कैन के अलग-अलग चरणों के बारे में साफ जानकारी दी गई, जिससे मुझे पता था कि आगे क्या होने वाला है। स्टाफ ने पूरी प्रक्रिया को अच्छे से संभाला और जरूरत पड़ने पर मेरी मदद के लिए उपलब्ध रहे। कुल मिलाकर, मेरा यहां आने का अनुभव बिना किसी परेशानी के रहा और मैं यहां मिली सेवा से संतुष्ट हूँ।"

"श्री किशोर शर्मा" – PET-CT Scan ★★★★★

"मैं अपने पीईटी-सीटी के अनुभव को आसान बनाने के लिए मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड थेरेपी की टीम की सराहना करना चाहती हूं। मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि स्टाफ ने मेरे साथ सम्मान और ध्यान से व्यवहार किया। यहां का माहौल आरामदायक था और मुझे लगा कि मेरी चिंताओं को गंभीरता से लिया गया। मेरी जांच की पूरी प्रक्रिया को अच्छा अनुभव बनाने के लिए मैं पूरी टीम की आभारी हूं।"

Scan & Give Your Feedback

MOLECULAR
DIAGNOSTICS AND THERAPY
...where technology meets patient care

हमारे केंद्र - उन्नत डायग्नोस्टिक सेवाओं को आपके और करीब ला रहे हैं

प्लॉट संख्या **14, 15,** संजय नगर, सेक्टर **23,**
गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश - **201002**

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश

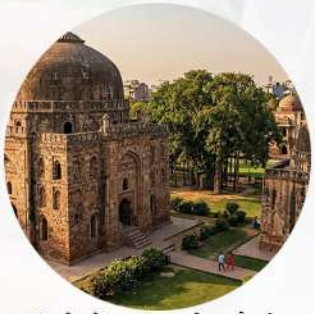

एच-**2,** बेसमेंट ग्राउंड फ्लोर, चौधरी हुकुम
चंद मार्ग, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली - **110016**

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
ग्रीन पार्क, दिल्ली

27, मेट्रो पिलर संख्या **196** के सामने, पश्चिम
विहार एक्सटेंशन, दिल्ली - **110063**

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
पश्चिम विहार, दिल्ली

बेसमेंट, मेट्रो पिलर संख्या **236** एवं **237** के सामने, होशियारपुर
गांव, सेक्टर **51,** नोएडा, उत्तर प्रदेश - **201301**

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
सेक्टर **51,** नोएडा, उत्तर प्रदेश

भवन संख्या **23,** हरि गोविंद प्लाज़ा, सहारनपुर रोड,
पटेल नगर, देहरादून, उत्तराखंड - **248001**

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
देहरादून, उत्तराखंड

भवन संख्या **1697,** साखिया विला, झांसी रोड
पुलिस स्टेशन के सामने, झांसी रोड, लश्कर, ग्वालियर

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
ग्वालियर, मध्य प्रदेश

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
मेरठ (जल्द आ रहा है)

मॉलिक्यूलर डायग्नॉस्टिक्स एंड थेरेपी -
अलीगढ़ (जल्द आ रहा है)

MOLECULAR
DIAGNOSTICS AND THERAPY
...where technology meets patient care

Where Technology Meets Patient Care

Scan to Download Our App

Plot No. 14-15, Sanjay Nagar Sector-23,
Behind Vardhman Hospital Ghaziabad,
Uttar Pradesh - 201002

+91-9217244110

info@moleculerit.com

www.moleculerit.com